अखिल भारतीय दर्शन–परिषद्

ALL INDIA PHILOSOPHY ASSOCIATION

52वां अधिवेशन (21 से 23 दिसम्बर, 2007)

BRIEF REPORT

संक्षिप्त प्रतिवेदन

अखिल भारतीय दर्शन–परिषद् के तृदिवसीय 52वें अधिवेशन का शुभारम्भ शुक्रवार 21 दिसम्बर, 2007 को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में प्रातः 11 बजे हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में कुलपति डॉ. सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने दर्शन की उपादेयता को रेखांकित किया। परिषद् के अध्यक्ष प्रो. एस.पी. दुबे ने इस अवसर पर परिषद् का संक्षिप्त परिचय दिया। अधिवेशन के सभापति प्रो. रामलाल सिंह (इलाहाबाद) ने *अध्यात्म' की अवधारणा तथा आचार्य आर.डी. रानाडे* विषयक अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया। तदनन्तर म.गां. काशी विद्यापीठ के दर्शन विभाग के संस्थापक प्राध्यापक डॉ. रघुनाथ गिरि का सम्मान किया गया। स्मारिका विमोचन के पश्चात् परिषद् द्वारा प्रकाशित एवं प्रो. एस.पी. दुबे एवं डॉ. अविनाश कुमार श्रीवास्तव (नालंदा) द्वारा सम्पादित *तुलनात्मक धर्म दर्शन* (परमहंस योगानन्द तुलनात्मक धर्म दर्शन व्याख्यानमाला के उपलब्ध व्याख्यानों का संकलन) पुस्तक का लोकार्पण किया गया। प्रो. गौरांगचरण नायक (भुवनेश्वर) को उनकी पुस्तक *Nirvana in Candrakriti's Prasannapadā* पर वर्ष 2007 का खचेड़ सिंह नागर स्मृति दर्शन पुरस्कार तथा प्रो. धर्मेन्द्र गोयल (चंडीगढ़) को उनकी पुस्तक *भाषा–दर्शन* पर स्वामी प्रणवानन्द दर्शन पुरस्कार प्रदान किया गया। साहित्याचार्य डॉ. पन्नालाल जैन स्मृति युवा चिंतक पुरस्कार सुश्री अनामिका त्रिपाठी (वाराणसी) को तथा स्वामी दयानन्द पुरस्कार डॉ. मुकेश कुमार चौरसिया (पटना) को दिया गया।

अपराह्न में परिषद द्वारा आयोजित विभिन्न व्याख्यानमालाओं के अंतर्गत 6 व्याख्यान सम्पन्न हुए। सायंकाल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रहा।

अधिवेशन के दूसरे दिन का पूर्वाह्न का कार्यक्रम सारनाथ स्थित केन्द्रीय तिब्बती शोध संस्थान में आयोजित हुआ। यहां *वैश्वीकरण का नीतिशास्त्र* एवं *देहात्मवाद* पर दो संगोष्ठियां सम्पन्न हुईं। अपराह्न में विद्यापीठ परिसर में विभागीय शोध–पत्र प्रस्तुत किये गये। तीसरे दिन पूर्वाह्न में भी विभागीय शोध–पत्र प्रस्तुत किये गये। विभागों में प्रस्तुत लगभग 200 शोधपत्रों में से चार श्रेष्ठ शोधपत्रों पर अपराह्न में आयोजित समापन समारोह में डॉ. विजयश्री स्मृति युवा पुरस्कार प्रदान किये गये, यथाः तर्कशास्त्र विभागः डॉ. (श्रीमती) *आभा सिंह* (आरा), धर्ममीमांसा विभाग : कु. *अनिता* (आगरा), तत्त्वमीमांसा विभाग : श्री महेश शर्मा (नई दिल्ली) एवं नीति एवं समाजदर्शन विभाग : डॉ. नागेन्द्र तिवारी (भागलपुर) को दिया गया। इस अवसर पर डॉ. जी.सी. नायक को परिषद् की मानद सदस्यता प्रदान की गई।

शिवकाशी (राजौरी, जम्मू) के प्राचार्य डॉ. ए.डी. सिंह ने जून/जुलाई, 2008 में परिषद् के एक अंतरिम अधिवेशन के लिए आमंत्रण दिया, जिसे स्वीकार किया गया।

अंत में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त अनुदान के लिए आभार, स्वागत–मंत्री डॉ. गीतारानी अग्रवाल को अच्छी व्यवस्था के लिए धन्यवाद तथा अक्टूबर, 2008 में गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार में परिषद् के 53वें अधिवेशन के आयोजन की सूचना के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

महामंत्री / अध्यक्ष